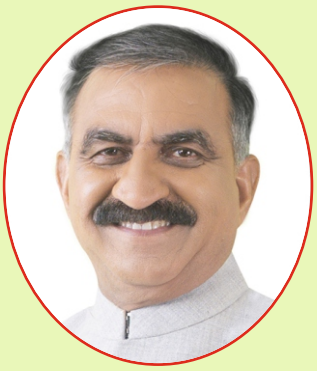

एचपीशिवा

हिमाचल प्रदेश उपोष्णकटिबंधीय बागवानी, सिंचाई एवं मूल्य वर्धन परियोजना

एशियन विकास बैंक द्वारा वित्तपोषित

परियोजना अवधिः 2023–2028

वार्षिक गतिविधि कैलेण्डर - अनार

एचपीशिवा क्लस्टर, कैहड़रू, हमीरपुर

परियोजना प्रबन्धन इकाई

एचपीशिवा परियोजना, उद्यान विभाग,

नवबहार, शिमला-171002, हिमाचल प्रदेश

फोन–0177–2841120 ईमेल–**pmuhpshiva@gmail.com** वेबसाईट– **https://hpshiva.hp.gov.in**

वार्षिक गतिविधि कैलेण्डर

- नए पौधों में 2–3 मुख्य तने छोडकर सभी शाखाओं की छंटाई कर दें।
- शाखाओं के शीर्ष भाग (10 सेमी) की प्रूनिंग करें और नए कोंपलों की पिंचिंग करें।
- ट्रेनिंग और प्रूनिंग के बाद कॉपर ऑक्सिक्लोराइड (3 ग्राम/लीटर पानी) का छिड़काव करें। गिरी हुई पत्तियों को इकट्ठा कर उन्हें जला दें।
- पौधों की आयु के अनुसार गोबर की खाद तथा उर्वरकों का प्रयोग करें।
- पौधों के तने पर बोर्डो पेस्ट (0.8 किग्रा0 नीला थोथा : 1 किग्रा0 चूना : 10 ली0 पानी) लगाएं।

- तौलिये में सूखी घास से मल्चिंग (लगभग 15 सेमी0) करें एवं ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें।
- पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिपर व ड्रिप प्रणाली की नियमित जांच करें।
- शेड्यूल के अनुसार फर्टिगेशन करें तथा प्रत्येक फर्टिगेशन के बाद ड्रिप प्रणाली की फ्लशिंग करें।
- सकरों को हटाना जारी रखें।
- गले –सडे गोबर के साथ बोरेक्स (20 ग्राम), कॉपर सल्फेट (20 ग्राम), मैगनीज सल्फेट (20 ग्राम), आयरन (20 ग्राम), जिंक सल्फेट (20 ग्राम) तथा मैग्नीशियम सल्फेट (40 ग्राम) भी मिलाएं।

- मल्टीप्लेक्स (0.2 प्रतिशत) का छिड़काव करें।
- अनार की तितली के प्रबंधन के लिए साइपरमेथ्रिन (1 मिली/लीटर) या क्लोरैन्ट्रानिलीप्रोल (0.25 मिली0 /ली0 पानी) या इंडोक्साकार्ब (0.25 मिली0/ली0 पानी) का छिड़काव करें और प्रत्येक 15–20 दिनों के अन्तराल पर दोहराते रहें।
- सूक्ष्म पोषक तत्वों का 10–12 दिन के अंतराल पर छिडकाव करें।
- सारिणी (PoP) के अनुसार फर्टिगेशन करें तथा प्रत्येक फर्टिगेशन के बाद ड्रिप प्रणाली की फ्लशिंग करें।

- नए बगीचे की स्थापना के लिए लेआउट करें।
- सारिणी (PoP) के अनुसार फर्टिगेशन करें तथा प्रत्येक फर्टिगेशन के बाद ड्रिप प्रणाली की फ्लशिंग करें।
- गीली घास की 15 सेमी मोटी परत का प्रयोग जैविक मल्च की तरह करें तथा पेड़ के तने पर बोर्डो पेंट (1 किग्रा कॉपर सल्फेटः 2 किग्रा चूनाः 3 ली0 अलसी का तेलः 50 ली0 पानी) लगाएं।
- अनार की तितली के प्रबन्धन के लिए मोनोक्रोटोफोस (0.1 मिली /ली0 पानी) या साइपरमेथ्रिन 25 इ0सी0 (0.25 मिली /ली0 पानी) का छिडकाव करें।
- थ्रिप्स के प्रबंधन के लिए एसिटामिप्रिड (0.5 मिली /ली0 पानी) या इमिडाक्लोप्रिड (0.5 मिली/ली0 पानी) का छिडकाव करें।

- पौध रोपण के लिए 60×60×60 सेमी आकार के गड्ढे बनाने का कार्य करें।
- मल्टीप्लेक्स (0.2 प्रतिशत) का छिड़काव करें।
- पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिपर व ड्रिप प्रणाली की नियमित जांच करें।
- सारिणी (PoP) के अनुसार फर्टिगेशन करें तथा प्रत्येक फर्टिगेशन के बाद ड्रिप प्रणाली की फ्लशिंग करें।
- तौलिये में सूखी घास से मल्चिंग (लगभग 15 सेमी0) करें।
- अनार की तितली से बचाव हेतु छिडकाव सारिणी के अनुसार 15–14 दिन के अंतराल पर छिडकाव करें।
- फलों को फटने से बचाने के लिए कैल्सियम क्लोराइड (20 ग्राम/ली0 पानी) या बोरोन (2 ग्राम/ली0 पानी) या पोटेशियम नाइट्रेट (10 ग्राम/ली0 पानी) का छिड़काव करें।

- नया बगीचा स्थापित करने के लिए किये गए गढ्ढों में 20 किग्रा गला–सड़ा गोबर, 1 किग्रा नीम केक, 500 ग्राम एसएसपी मिलाकर डालें तथा सिंचाई करें।
- फलों को फटने से बचाने के लिए कैल्सियम क्लोराइड (20 ग्राम/ली0 पानी) या बोरोन (2 ग्राम/ली0 पानी) या पोटेशियम नाइट्रेट (10 ग्राम/ली0 पानी) का छिड़काव करें।
- पौधों में ज़रूरत अनुसार सिंचाई करें तथा ड्रिपर व ड्रिप प्रणाली की नियमित जांच करें।
- बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रबंधन के लिए कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (3 ग्राम/लीटर) या बोर्डियक्स मिश्रण (1 प्रतिशत) का छिड़काव करें।
- पत्तियों पर धब्बे और फलों के सड़ने के प्रबंधन के लिए कार्बोन्डाजिम (1 ग्राम /लीटर) या हेक्साकोनाजोल (1 मिली/लीटर) का छिड़काव करें।

- नए बगीचे में बीमारी रहित व स्वस्थ पौधे लगाएं तथा स्टेकिंग व सिंचाई करें।
- मल्टीप्लेक्स (0.2 प्रतिशत) का छिड़काव करें।
- बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रबंधन के लिए कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (3 ग्राम/लीटर) या बोर्डियक्स मिश्रण (1 प्रतिशत) का छिड़काव करें।
- पत्तियों पर धब्बे और फलों के सड़ने के प्रबंधन के लिए कार्बोन्डाजिम (1 ग्राम /ली0) या हेक्साकोनाजोल (1 मिली/ली0) या मैक्कोजेब (2.5 ग्राम /ली0) का छिड़काव करें।
- सारिणी (**PoP**) के अनुसार फर्टिगेशन करें तथा प्रत्येक फर्टिगेशन के बाद ड्रिप प्रणाली की फ्लशिंग करें।
- बगीचे से खरपतवार व झाड़ियां हटा कर सफाई करें। समय–समय पर उठी हुयी क्यारियों की आवश्यक मरम्मत करें।

- बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रबंधन के लिए कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (3 ग्राम/लीटर) या बोर्डियक्स मिश्रण (1 प्रतिशत) का छिड़काव करें।
- पत्तियों पर धब्बों और फलों को सड़ने के प्रबंधन के लिए कार्बोन्डाजिम (1 ग्राम /लीटर) या हेक्साकोनाजोल (1 मिली/लीटर) का छिड़काव करें।
- माह के अंतिम सप्ताह में तुड़ाई करें (किस्म–भगवा)।
- बगीचे से खरपतवार व झाड़ियां हटा कर सफाई करें। समय–समय पर उठी हुयी क्यारियों की आवश्यक मरम्मत करें।
- बगीचे से पानी की निकासी का उचित प्रंबध करें।
- सौर बाड़ के आस–पास साफ सफाई करें, बैटरी तथा करंट की नियमित जांच करें।

- फलों को पौधों से तोड़ना जारी रखें। (किस्म–भगवा)
- बगीचे से खरपतवार व झाड़ियां हटा कर सफाई करें। समय–समय पर उठी हुयी क्यारियों की आवश्यक मरम्मत करें।
- फल तुड़ाई के बाद कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (3 ग्राम/लीटर पानी) का छिड़काव करें।

- बगीचे से खरपतवार व झाड़ियां हटा कर सफाई करें। समय–समय पर उठी हुयी क्यारियों की आवश्यक मरम्मत करें।
- बगीचा लगने के प्रारंभिक दो वर्षों में रबी मौसम की फसलों जैसे मटर, चना आदि को अंतर–फसल के रूप में उगाए।

- बगीचे से खरपतवार व झाड़ियां हटा कर सफाई करें। समय–समय पर उठी हुयी क्यारियों की आवश्यक मरम्मत करें।
- बगीचा लगने के प्रारंभिक दो वर्षों में रबी मौसम की फसलों जैसे मटर, चना आदि को अंतर–फसल के रूप में उगाए।

- बगीचे से खरपतवार व झाड़ियां हटा कर सफाई करें। समय–समय पर उठी हुयी क्यारियों की आवश्यक मरम्मत करें।
- गिरी हुई पत्तियों व फलों को इकट्ठा करें तथा गहरा गड्ढा खोद कर अच्छी तरह से दबा दें।
- तौलिये में सूखी घास (लगभग 15 सेमी0) या प्लास्टिक शीट से मल्चिंग करें।
- दिसम्बर माह के अंतिम सप्ताह में पैकेज ऑफ प्रैक्टिस के अनुसार शाखाओं की कांट–छांट करें।

तकनीकी सहयोग – *डा0 वाई0 एस0 परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, औद्यानिकी एवं वानिकी विद्यालय, नेरी, हमीरपुर।*

एचपीशिवा परियोजना से सम्बंधित जानकारी के लिए संपर्क करें			
निदेशक उद्यान, हिमाचल प्रदेश उद्यान विभाग, नवबहार, शिमला – 171002 फोन :+91-177-2842390 ई–मेल : horticul-hp@nic.in	परियोजना निदेशक / परियोजना उपनिदेशक / नोडल अधिकारी एचपीशिवा परियोजना प्रबन्धन इकाई, उद्यान विभाग, नवबहार, शिमला – 171002 फोन :+91-177-2841120 मो : +91-7018615569 / 7018134993 ई–मेल: pmuhpshiva@gmail.com / nodalofficerhpshiva@gmail.com वेबसाइट: https://hpshiva.hp.gov.in	परियोजना उपनिदेशक एचपीशिवा परियोजना क्रियान्वयन इकाई, जल शक्ति विभाग, जल शक्ति भवन, शिमला फोन :+91-1905-292113 मो : +91-9816573293 / 9418465461 ई–मेल: deepakgarg5461@gmail.com	उप निदेशक उद्यान / जिला समन्वयक / प्रबन्धन विशेषज्ञ बिलासपुर : ddhbilaspur63@gmail.com मण्डी : horticulturemandi@gmail.com कांगडा : ddhkangra@yahoo.in / ddhkangra@gmail.com हमीरपुर : ddhhamirpur@gmail.com सोलन : ddhsolan@gmail.com सिरमौर : ddhsirmour7@gmail.com ऊना : ddhuna@rediffmail.com

समस्त विषय विशेषज्ञ उद्यान, उद्यान विकास अधिकारी, सहायक उद्यान विकास अधिकारी, उद्यान प्रसार अधिकारी एवं क्लस्टर प्रभारी